

कक्षा 7 का पाठ्यक्रम विभाजन

कक्षा – 7

हिन्दी

मई

- सादर नमन

जून व जुलाई

- सादर नमन (पुनरावृत्ति)
- लव कुश
- इसे जगाओं

व्याकरण – संज्ञा, लिंग, वचन, शब्द विचार, उपसर्ग, क्रिया, समास, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अपठित बोध – अपठित गद्यांश

अगस्त

- शरणागत की रक्षा
- वेणेश्वर की यात्रा
- मित्रता
- व्याकरण व रचना – प्रत्यय, कारक, वाक्यांश के लिए एक शब्द
- पत्र लेखन – (प्रार्थना पत्र, पारिवारिक पत्र)

सितम्बर

- बस की यात्रा
- चन्द्रशेखर आजाद
- व्याकरण एवं रचना – वर्ण विचार, विशोण, मुहावरें, लोकोक्तियां, निबंध लेखन

अक्टूबर व नवम्बर

- केवट का प्रेम
- छोटा जादूगर
- ये भी धरती के बेटे हैं।

व्याकरण – निपात, संधि, अनेकार्थक शब्द

दिसम्बर

पुनरावृत्ति, अर्द्धवार्षिक परीक्षा (मई से दिसम्बर तक का पाठ्यक्रम)

जनवरी

- वन श्री
- भारत की मनस्विनि महिलाएँ

व्याकरण – सर्वनाम, विराम चिह्न, अपठित गद्यांश (पुनरावृत्ति)

फरवरी	14. रक्त और हमारा शरीर व्याकरण एवं रचना – पद परिचय, युग्म शब्द, अशुद्ध—शुद्ध शब्द, पत्र—लेखन, प्रार्थना एवं पारिवारिक पत्र (पुनरावृत्ति)	5. अरावली की आत्मकथा
मार्च	16. राजस्थानी काव्य, व्याकरण – वाक्य विचार, अशुद्ध—शुद्ध वाक्य एवं रचना, निबंध लेखन (पुनरावृत्ति)	
अप्रैल	पुनरावृत्ति एवं वार्षिक परीक्षा	
नोट :-	अर्द्धवार्षिक परीक्षा तक पाठ्यक्रम में सम्मिलित व्याकरण के समस्त बिन्दु वार्षिक परीक्षा में भी सम्मिलित होंगे।	

नोट :-	विभिन्न परखों और परीक्षाओं में सम्मिलित किया जाने वाला पाठ्यक्रम
प्रथम परख :-	सत्रारम्भ से प्रथम परख तक करवाया गया पाठ्यक्रम।
द्वितीय परख :-	प्रथम परख व द्वितीय परख के मध्य करवाया गया पाठ्यक्रम।
अर्द्धवार्षिक परीक्षा:-	सत्रारम्भ से अर्द्धवार्षिक परीक्षा तक करवाया गया पाठ्यक्रम।
तृतीय परख :-	अर्द्धवार्षिक परीक्षा के उपरान्त व तीसरी परख से पूर्व तक करवाया गया पाठ्यक्रम। (कक्षा 10 व 12 के लिए विषयाध्यापक स्वविवेक से पाठ्यक्रम निर्धारित कर सकते हैं।)
वार्षिक परीक्षा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से

ENGLISH

May	L1 The Unique Sacrifice Paragraph – Importance of Trees Grammar :- Simple Past Tense, One word, Misspelt words.
June	L2. My dream school Paragraph – Desire to go to school Grammar :- Phrasal Verbs
July	L3. My Best Friend L4. Reduce waste Paragraph:- 1. My Best Friend 2. How can we keep our environment clean. Application :- 1. Application to your H.M. regarding full fee concession. Grammar :- Indirect speech (Ac. to the text), Rhyming words.
August	L5. Outside the class. L6. The doorway to the world. Paragraph :- 1. Harmful effects of fast food. 2. How you save your friend from kidnapping, Grammar :- "If" for open condition. Framing questions (wh words) use of – would rather and had better
September	L7. Sympathy L8. The tiger man Paragraph :- Visit to a national park Letter Writing – Letter to your friend telling him about your dream school. Grammar :- Degrees of Adjectives, conjunctions (who, what, whose, not only, but also)
October-November	L9. The true successor L10. Smile Paragraph :- 1. Visit to a historical place. Letter writing :- 1. Letter to your friend telling about how you helped a poor man. Application writing :- 1. To H.M. seeking permission for a friendly match. 2. To H.M. requesting to issues books from book bank. Grammar :- Passive voice Adverb of manner.

	Dialogue writing :- 1. Conversation with a policeman 2. Conversation with a PTI regarding selection in TT team.
December	Paragraph _ Pulse Polio camp. Story Writing L- Based on honesty and greed. REVISION
January	L.11 – A letter from a friend L.12 – New Heights Paragraph :- 1. Video Conferencing Grammar :- Modals (must, will, could, would, should, can, may) Abbservation :- CWSN, VI, PI, HI, MI
February	L13. The Royal Joke L14. You can do Paragraph :- Ancient Indian Science Grammar :- Prepositions (under, above, between, among, in, into, over, under, on)
March	L15. The Glory of Ancient Indian Science, Diary Writing, Emails Writing
April	REVISION
Note :-	<ol style="list-style-type: none"> 1. Vocabulary items such as sound, opposites, homophones, one word, word formation, misspet words, synonyms etc. must be taught in every unit. 2. Exercise regarding unseen passages must be given to the students. 3. All grammar topics will be examined in half yearly as well as yearly exams.

नोट :-

विभिन्न परखों और परीक्षाओं में सम्मिलित किया जाने वाला पाठ्यक्रम

प्रथम परख :- सत्रारम्भ से प्रथम परख तक करवाया गया पाठ्यक्रम।

द्वितीय परख :- प्रथम परख व द्वितीय परख के मध्य करवाया गया पाठ्यक्रम।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा:- सत्रारम्भ से अर्द्धवार्षिक परीक्षा तक करवाया गया पाठ्यक्रम।

तृतीय परख :- अर्द्धवार्षिक परीक्षा के उपरान्त व तीसीय परख से पूर्व तक करवाया गया पाठ्यक्रम। (कक्षा 10 व 12 के लिए विषयाध्यापक स्वविवेक से पाठ्यक्रम निर्धारित कर सकते हैं।)

वार्षिक परीक्षा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से

संस्कृत

मई + जून

1. भारत भू वन्दना

व्याकरणम् – तृतीया, चतुर्थी विभक्तेः वाक्य प्रयोगः

शब्दरूपाणि – मति, तत्, बालकः, कवि

धातुरूपाणि – कृ धातु (पाँचो लकारों में)

प्रत्ययाः – क्तवतु प्रत्ययः, क्त प्रत्ययः

रचनात्मक कार्यम् – मण्जूषात् पदानि चित्वा चित्रकथा लेखनम्

जुलाई

मई व जून में पठित पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति

2. बुद्धिर्यस्य बलं तस्य

3. संस्कृत दिवसः

व्याकरणम् – पंचमी विभक्ते रूपाणि प्रयोगं। सन्धि-स्वर सन्धि और उसके भेदों के नाम

शब्दरूपाणि – वारि (स्त्री), सुधी, भ्रातृ, हरि

धातुरूपाणि – इष् धातु (पाँचो लकारों में), उपसर्गः, सन्धि-स्वर (दीर्घ)

रचनात्मक कार्यम् – मञ्जूषात् चित्वा संस्कृत भाषायाम् शुल्क मुक्त्यर्थं प्रार्थना पत्रम्, अस्वरयतायाः कारणात् दिवसत्रयस्य अवकाशार्थं प्रार्थना पत्रं

अगस्त

4. आदि कविः वाल्मीकिः

5. नित्यं कर्तव्यम्

व्याकरणम् – सप्तमी, षष्ठी विभक्ते रूपाणि प्रयोगं।

शब्दरूपाणि – नदी, एतत्, साधु, सर्वं। सन्धि-स्वर-गुण

धातुरूपाणि – विकस्

प्रत्ययाः— कत्वा, ल्यप्, तुमुन, शतृ, शानच्

रचनात्मक कार्यम् – वाक्य कुम–संयोजनम्

मण्डूषात् पदानि चित्वा लघु कथा लेखनम्

सितम्बर

6. स्वारथ्यम्

7. धन्योऽयं दानवीरः

व्याकरणम् – पद–परिचयं, वर्णाच्चारणं स्थानानि, संख्या ज्ञानम् (21 से 50)

शब्दरूपाणि – पित्, किम्, रामः, युष्मद्। हिन्दी भाषाया संस्कृत भाषायाम् अनुवाद

धातु रूपाणि— ‘गै’धातु (पाँचों लकारा में)

रचनात्मक कार्यम् – संस्कृत भाषायाम् फलानाम् शाकानाम् च नामानि, निबन्ध लेखनम्, संतोषः परमं सुखम्, धनस्यं महत्वं।

अक्टूबर

व्याकरण – समास–अव्ययी भाव, द्विगु। विलोम पदानि

शब्दरूपाणि – किम्, मति, गृहम्, मातृ

धातुरूपाणि – ‘जि’, ‘नृत्’ (पाँचों लकारों में)

रचनात्मक कार्यम् – ज्येष्ठ भातृः विवाहकारणात्, दिनद्वयस्य अवकाथर्थम् प्रार्थना पत्रं, (मण्डूषात् पदानि चित्वा)

नवम्बर

9. पुष्कर मेलापकः

10. अमृत बिन्दवः

11. उद्यान विहारः

व्याकरणम् – उपपद विभक्ति प्रयोग – (बिना, सह, अभितः, परितः, प्रति)

शब्दरूपाणि – भवत्, पित्। सन्धि–जशत्वं

रचनात्मक कार्यम्— घटिका चित्र साहाय्येन संस्कृत भाषायां

	समयलेखनम्
	निबन्ध – परोपकारः, दीपावलीः
	मण्जूषात् पदनि चित्वा चित्रवर्णनम्
दिसम्बर	समासः – तत्पुरुष, पुनरावृत्ति
	12. पर्यावरण चेतना
जनवरी	13. प्रहेलिकाः
	व्याकरणम्— यण् सन्धि, कमवाची शब्दाः 1 से 20
	अव्ययपदानि – न, बिना, अपि, सदा, च, प्रति, सह
	शब्दरूपाणि – चत्, दधि, वणिज्, रमा
	धातुरूपाणि – आरुध्य (पांचो लकारो में)
	स्मृ (पांचो लकारो में)
	रचनात्मक कार्यम् – अपठित गद्यांश
	निबन्ध लेखनम्— वृक्षानाम् महत्व होलिकोत्सवः
	मण्जूषात् पदनि चित्वा चित्रवर्णनम्
फरवरी	14. आपत्प्रबन्धम्
	15. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलामः
	व्याकरणम्— सन्धि—वृद्धि, समास—कर्मधारय, द्वन्द्व
	शब्दरूपाणि – फलं, जनकः, वदत्, युवति
	रचनात्मक कार्यम्— 1. वाक्य क्रम संयोजनम्
	2. मण्जूषात् पदानि चित्वा लघु कथालेखनम्
	पत्र— विद्यालय में स्वच्छतायाः व्यवस्थायै प्रार्थना पत्रं, विद्यालयस्य,
	वार्षिकोत्सव प्रधानाचार्यस्य निमन्त्रणं पत्रं
	मण्जूषात् पदनि चित्वा
मार्च	16. सूक्यतः

17. उदासीनाचार्यः श्री चन्द्रः

व्याकरणम्— अयादि सन्धि, अव्यय पदानि (यथा—तथा, कृतः इतः, यतोहि, पुरतः, पृष्टत, मन्दम्, उच्चै, नीचै, मा, वृय, इतस्ततः), पर्यायवायी पदानि

श्लोक लेखनम्

शब्दरूपाणि— आत्मन्, जगत्

धातुरूपाणि — चिन्त, पाल् (पांचो लकारों में)

रचनात्मक कार्यम् — 1. कीड़ायाः व्यवस्थायै प्रार्थना पत्रं (मण्जूषायाः सहायतया)

2. स्थानान्तरण प्रमाण पत्रं प्राप्तम् प्रार्थना पत्रं
निबन्ध : संत्संगति, धनस्य महत्वं

अप्रैल पुनरावृत्ति

वार्षिक परीक्षा

नोट :- विभिन्न परखों और परीक्षाओं में सम्मिलित किया जाने वाला

पाठ्यक्रम

प्रथम परख :- सत्रारम्भ से प्रथम परख तक करवाया गया पाठ्यक्रम।

द्वितीय परख :- प्रथम परख व द्वितीय परख के मध्य करवाया गया पाठ्यक्रम।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा:- सत्रारम्भ से अर्द्धवार्षिक परीक्षा तक करवाया गया पाठ्यक्रम।

तृतीय परख :- अर्द्धवार्षिक परीक्षा के उपरान्त व तीसीय परख से पूर्व तक करवाया गया पाठ्यक्रम। (कक्षा 10 व 12 के लिए विषयाध्यापक स्वविवेक से पाठ्यक्रम निर्धारित कर सकते हैं।)

वार्षिक परीक्षा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से

विज्ञान

मई	1. भोजन के अवयव
जून	1. भोजन के अवयव (पुनरावृत्ति) परिशिष्ट – सड़क सुरक्षा
जुलाई	2. प्राणियों में पोषण 3. पदार्थों का पृथक्करण 4. पदार्थों के भौतिक व रसायनिक परिवर्तन
अगस्त	5. अम्ल, क्षार एवं लवण 6. अन्तः स्रावी ग्रंथियां 7. जैव विकास
सितम्बर	8. जंतुओं में अनुकूलन 9. जंतुओं में श्वसन व उत्सर्जन
अक्टूबर व नवम्बर	10. कंकाल एवं संधियां 11. समय एवं चाल 12. दाब
दिसम्बर	पुनरावृत्ति
जनवरी	13. कम्प्यूटर
फरवरी	14. प्रकाश का परावर्तन 15. ताप एवं उष्मा
मार्च	16. वन एवं वन्य जीव 17. कचरा प्रबंधन
अप्रैल	पुनरावृत्ति

नोट :-

विभिन्न परखों और परीक्षाओं में सम्मिलित किया जाने वाला पाठ्यक्रम

प्रथम परख :- सत्रारम्भ से प्रथम परख तक करवाया गया पाठ्यक्रम।

द्वितीय परख :- प्रथम परख व द्वितीय परख के मध्य करवाया गया पाठ्यक्रम।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा:- सत्रारम्भ से अर्द्धवार्षिक परीक्षा तक करवाया गया पाठ्यक्रम।

तृतीय परख :- अर्द्धवार्षिक परीक्षा के उपरान्त व तीर्तीय परख से पूर्व तक करवाया गया पाठ्यक्रम। (कक्षा 10 व 12 के लिए विषयाध्यापक स्वविवेक से पाठ्यक्रम निर्धारित कर सकते हैं।)

वार्षिक परीक्षा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से

सामाजिक विज्ञान

माह	पाठ	ईकाई का नाम
मई	पाठ–8	समाज और हमारे दायित्व
जून व जुलाई	पाठ–8	समाज और हमारे दायित्व (पुनरावृत्ति)
	पाठ–1	जैवमण्डल और भूदश्य
	पाठ–9	लोकतन्त्र और समानता
	पाठ–15	वृहत्तर भारत
अगस्त	पाठ–2	वायुमण्डल और जलवायु
	पाठ–10	लैंगिक समझ और संवेदनशीलता
	पाठ–16	हर्षकालीन बाद का भारत
सितम्बर	पाठ–3	जल
	पाठ–11	राजस्थान का सामाजिक, आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी विकास
	पाठ–17	राजस्थान एवं दिल्ली के सुल्तान
अक्टूबर व नवम्बर	पाठ–4	भूमि
	पाठ–12	राज्य सरकार
	पाठ–18	राजस्थान के राजवंश व मुगल
	पाठ–19	कला एवं स्थापत्य
दिसम्बर	पुनरावृत्ति एवं अद्वार्षिक परीक्षा	
जनवरी	पाठ–5	वन एवं वन्य जीव
	पाठ–13	सरकार और लोक कल्याण
फरवरी	पाठ–20	भक्ति एवं सूफी आन्दोलन
	पाठ–14	संचार माध्यम और लोकतन्त्र

	पाठ—6	विभिन्न परिवेशों में मानव जीवन (भाग—1)
मार्च	पाठ—21	लोक संस्कृति
	पाठ—7	विभिन्न परिवेशों में मानव जीवन (भाग—1)
अप्रैल		पुनरावृत्ति एवं वार्षिक परीक्षा
नोट:	मानचित्र का अध्ययन सम्बंधित पाठ के साथ करवाया जाय। पाठ्यक्रम में समावेशित क्रियाकलापों एवं परियोजना कार्यों का किया जाना अपेक्षित है, जिससे विद्यालय में उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा सके।	

नोट :-	विभिन्न परखों और परीक्षाओं में सम्मिलित किया जाने वाला पाठ्यक्रम
प्रथम परख :-	सत्रारम्भ से प्रथम परख तक करवाया गया पाठ्यक्रम।
द्वितीय परख :-	प्रथम परख व द्वितीय परख के मध्य करवाया गया पाठ्यक्रम।
अर्द्धवार्षिक परीक्षा:-	सत्रारम्भ से अर्द्धवार्षिक परीक्षा तक करवाया गया पाठ्यक्रम।
तृतीय परख :-	अर्द्धवार्षिक परीक्षा के उपरान्त व तीय परख से पूर्व तक करवाया गया पाठ्यक्रम। (कक्षा 10 व 12 के लिए विषयाध्यापक स्वविवेक से पाठ्यक्रम निर्धारित कर सकते हैं।)
वार्षिक परीक्षा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से

कक्षा – 7
पाठ्यक्रम विभाजन
विषय – गणित

माह का नाम	पाठ विवरण
मई	पूर्णांक (1)
जून	पूर्णांक (पुनरावृत्ति)
जुलाई	भिन्न एवं दशमलव संख्याएं (2), वर्ग एवं वर्गमूल (3)
अगस्त	परिमेय संख्याएं (4), घात और घातांक (5), वैदिक गणित (6)
सितम्बर	कोण एवं रेखाएं (7), त्रिभुज और उसके गुण (8)
अक्टूबर–नवम्बर	त्रिभुजों की सर्वांगसमता (9), त्रिभुजों की रचना (10), सममिति (11), ठोस आकारों का चित्रण (12)
दिसम्बर	पुनरावृत्ति, अर्द्धवार्षिक परीक्षा
जनवरी	बीजीय व्यंजक (13), सरल समीकरण (14)
फरवरी	राशियों की तुलना (15), परिमाप व क्षेत्रफल (16)
मार्च	आंकड़ों का प्रबंधन (17), पुनरावृत्ति
अप्रैल	पुनरावृत्ति व वार्षिक परीक्षा

नोट :-	विभिन्न परखों और परीक्षाओं में सम्मिलित किया जाने वाला पाठ्यक्रम
प्रथम परख :-	सत्रारम्भ से प्रथम परख तक करवाया गया पाठ्यक्रम।
द्वितीय परख :-	प्रथम परख व द्वितीय परख के मध्य करवाया गया पाठ्यक्रम।
अर्द्धवार्षिक परीक्षा:-	सत्रारम्भ से अर्द्धवार्षिक परीक्षा तक करवाया गया पाठ्यक्रम।
तृतीय परख :-	अर्द्धवार्षिक परीक्षा के उपरान्त व तीसरी परख से पूर्व तक करवाया गया पाठ्यक्रम। (कक्षा 10 व 12 के लिए विषयाध्यापक स्वविवेक से पाठ्यक्रम निर्धारित कर सकते हैं।)
वार्षिक परीक्षा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से

ਆਠਕਰਮ - ੨੦੧੬-੧੭

ਪੰਜਾਬ - ਪੰਜਾਬੀ

ਜਮਾਤ: ਮੱਡਈ (VII)

ਮਾਈ: ਫਰਨਮਾਇਆ, ਲਸਾਂ ਅਤੇ ਲਸਾਖਰਾਂ ਦਾ ਕਾਰੀਗਰਾਮ

1. ਆਡਾ ਏਮ ਮਹਾਨ (ਕੰਇਤਾ)

ਜੂਨ - ਜੂਲਾਈ: 2. ਝਾਲੁਇਆਂ ਦੀ ਵਖੀ (ਕਹਾਈ)

3. ਮੇਰੀ ਪ੍ਰਿਆਰੀ ਮਾਂ (ਕੰਇਤਾ)

4. ਪ੍ਰੋਕਲੰਡੀ (ਲੇਖ)

ਤੁਂਦ ਦੀ ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਮਾਤੇ ਕਿਸਮਾਂ (ਪਿਆਰੇ)

ਈਨੌਦੀਜ਼ਨ ਦੇ ਲਾਭ ਮਾਤੇ ਹਾਨੀਆਂ (ਲੇਖ)

ਆਪਣੇ ਭਰਾ ਦੇ ਵਿਆਹ ਵਿੱਚ ਆਮਿਲ ਹੋਣ ਲਈ ਟਿੱਕ ਪੜਾ
ਦੀ ਕੱਤੀ ਲਈ ਸਕੂਲ ਦੇ ਮੁੱਖੀ ਨੂੰ ਬਿੱਲੇ- ਪੱਤਰ ਲਿਖ।

ਸੀਰ ਤੇ ਚੂਜੀ (ਕਹਾਈ-ਰਚਨਾ)

ਮਹਾਮਤ: 5. ਦੇ ਕੌਜੀਆਂ (ਕਹਾਈ)

6. ਕ੍ਰਮ ਦੀ ਮੇਦਾਦਾਰ (ਕੰਇਤਾ)

7. ਪ੍ਰੈਦਿਆ ਦਾ ਫਲ (ਜੀਵਨੀ)

ਪੈਂਗ-ਘਰੋੜੇ, ਫਰਨ-ਘਰੋੜੇ (ਪਿਆਰੇ)

ਫਰਥਾ ਰੁੱਤ (ਲੇਖ)

ਆਪਣੇ ਸਕੂਲ ਦੇ ਮੁੱਖੀ ਨੂੰ ਖੇਡਾਂ ਦਾ ਮਮਾਨ ਮੰਗਾਉਣੁੰਹੁੰਦੀ
ਲਈ ਪੱਤਰ ਲਿਖ।

ਫੇਰੀ ਦਾ ਫਲ (ਕਹਾਈ-ਰਚਨਾ)

ਮੱਡਈ: 8. ਪ੍ਰਿਮਤ ਮਾਤੇ ਮਿਆਈ (ਕੰਇਤਾ)

9. ਜੇ ਚਾਲਣ ਮੁੱਕ ਜਾਵੇ (ਕਹਾਈ)

10. ਮਾਡੀਆਂ ਮਹੜੀਆਂ (ਲੇਖ)

ਪੁੱਤ੍ਰਾਂ ਦੀ ਅਭਿਆਸ, ਮਾਤੇ ਕਿਸਮਾਂ (ਪਿਆਰੇ)

ਪੈਦਰਾਂ ਮਾਰਾਮਤ (ਲੇਖ)

ਆਪਣੇ ਸਕੂਲ ਦੇ ਮੁੱਖੀ ਨੂੰ ਪੈਂਦ ਵਾਲੇ ਪਾਈ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ
ਹੋਣ ਕਰਨ ਲਈ ਬਿੱਲੇ- ਪੱਤਰ ਲਿਖੋ।

ਮੁੱਢਲੀ- ਨਈਅਰ: 11. ਪੰਛੀਆਂ ਦਾ ਗੱਤ (ਕੰਇਤਾ)

12. ਗੁਲਾਬ ਦਾ ਆਫੀ (ਕਹਾਈ)

ਪਿਰਿਆ ਦੀ ਖੂਬੀਬਾਸ਼ (ਪਿਆਰੇ)

ਵਿਸੀਨ੍ਹ ਦੀ ਝੌਕਾਬਾਸ਼ (ਪਿਆਰੇ)

ਪੰਡਿਤ ਜਹਾਨਰਾ ਲਾਲ ਨਹਿਰੂ ਜੀ (ਲੇਖ)

ਦੁਸ਼ਮਿਹਰਾ (ਲੇਖ)

ਮੁਹਾਡਰੇ (ਪਿਆਰੇ)

ਆਪਣੇ ਮਿੱਤਰ / ਸੋਲੀ ਨੂੰ ਸਕੂਲ ਵਿੱਚ ਅਤੇ ਗਈ ਹਾਥੀ ਦੇ ਮੌਜੂਦੇ
ਈ ਜਾਣਕਾਰੀ ਵਿੱਚੋਂ ਕੁਝ ਯੱਤਰ ਲਿਖੋ।

ਦਮੰਚਰ : ਪ੍ਰਤੀਗਿਧਤਾ ਕਾਰਨ ਤੇ ਪ੍ਰਾਤਿਧਿਕਾ ਦੀ ਪਿਆਰੀ

(ਨੋਟ : ਅਰਧ- ਮਲਾਨਾ ਪ੍ਰਾਤਿਧਿਕਾ ਵਿੱਚ ਮਈ ਤੋਂ ਦਮੰਚਰ ਤੱਕ
ਦਾ ਪਾਠਕਰਮ ਕਾਢੇਗਾ)

ਜਨਦਰੀ : 13. ਮੈਂ ਮੋਹਣਾ- ਮੋਹਣਾ ਲਿਖਾਂਗੇ (ਛੇਖ)

14. ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ (ਜੋਨੀ)

15. ਚੰਦੀਚੀ ਲੰਘੀ (ਕਹਾਈ)

ਪਰਿਆ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤ ਈ ਪ੍ਰੌਦਗੀ (ਵਿਆਕਰਨ)

ਕੁਝ- ਆਉਧ ਸ਼ਬਦ (ਵਿਆਕਰਨ)

ਕੀ ਕਿਸੇ ਗੋਖਿਦ ਮੰਨੇ ਜੀ (ਛੇਖ)

ਆਪਣੇ ਸਕੂਲ ਦੇ ਮੁੱਖੀ ਨੂੰ ਲਾਇਚਰੇਟੀ (ਪ੍ਰਮਤਕਾਲਾ) ਵਿੱਚ
ਕਹਾਈਆਂ ਦੌਨਾਂ ਪ੍ਰਸਤਰਾਂ ਸੰਭਾਵਿਤ ਲਈ ਬਿੰਦੂ- ਅਤੇ ਲਿਖੋ।

ਫਰਦਰੀ : 16. ਕਾਰੀਚੀ ਜੜ- ਮੇਲਾ (ਛੇਖ)

17. ਮਾਡਾ ਸਕੂਲ (ਕਵਿਤਾ)

18. ਮੰਨੇ ਦੀ ਆਹਾਰੀ (ਕਹਾਈ)

ਮੰਚੀਕਰ ਨਾਤੇ ਕੋਲਕ (ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ) ਵਿਆਕਰਨ

ਵਿਦੇਖੀ ਸ਼ਬਦ (ਵਿਆਕਰਨ)

ਆਪਣੇ ਪਿਤਾ ਜੀ ਨੂੰ ਮੰਡਿਆਰੋਲੀ ਪਿਤਾ ਜੀ (ਜੋਨੀ)
ਅਰਧ- ਮਲਾਨਾ ਪ੍ਰਾਤਿਧਿਕਾ ਵਿੱਚ ਆਏ ਨੰਦਰਾਂ ਅੰਤੇ
ਜਾਣਕਾਰੀ ਵਿੱਚੋਂ ਤੋਂ ਪੱਤਰ ਲਿਖੋ।

ਜੋਰ ਤੇ ਆਜ਼ਹੀ (ਕਹਾਈ-ਰਚਨਾ)

ਆਰਚ : 19. ਉੱਤ੍ਰਾ ਮਿੱਥ- ਮਿਲਖਾ ਮੰਨੇ (ਜੋਨੀ)

20. ਦਾਦੀ ਮਾਂ ਦਾ ਚੌਤ (ਕੋਵਿਤਾ)

ਨਾਗੀਤਰ ਨਾਤੇ ਪਿਛੇਤਰ (ਵਿਆਕਰਨ)

ਜੈਦਨ ਵਿੱਚ ਹੁੱਖਾਂ ਦਾ ਮਹੌਤ (ਛੇਖ)

ਸੁਜੈਦ ਉਧਮ ਮੰਨੇ (ਛੇਖ)

ਆਪਣੇ ਮਿੱਤਰ / ਸੋਲੀ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਾਈ ਦੇ ਲਾਲ- ਲਾਲ, ਅਰ ਦੇ ਕੰਨਾਂ
ਵਿੱਚ ਚੱਥ ਦੁਟਾਉਣ ਦੀ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਵਿੱਚੋਂ ਚੱਥ ਯੱਤਰ ਲਿਖੋ।

ਮਿਹਨਤ ਦਾ ਫਲ, (ਕਹਾਈ-ਰਚਨਾ)

ਆਪਰੈਂਟ : ਕੁਝ- ਆਉਧ ਸ਼ਬਦ ਨਾਤੇ ਅੁਗਾਉਂਦੇ
(ਪੁਰਾਨੇ- ਆਵਿਆਸ)

ਦੁਹੁਰਾਈ ਕਾਰਜ ਨਾਤੇ ਪ੍ਰਾਤਿਧਿਕਾ ਦੀ ਪਿਆਰੀ)

(ਨੋਟ : ਮਲਾਨਾ ਪ੍ਰਾਤਿਧਿਕਾ ਵਿੱਚ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਪਾਠਕਰਮ ਵਿੱਚੋਂ
ਵਿਡਾਗ ਦੇ ਨਿਯਮਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਅਨੁਪਾਤਰ ਅੰਕ-ਛੰਦ
ਦੇ ਪ੍ਰਾਤਿਧਿਕ ਪੇਚਾਰ ਕਾਢੇਗਾ)

नोट :-	विभिन्न परखों और परीक्षाओं में सम्मिलित किया जाने वाला पाठ्यक्रम
प्रथम परख :-	सत्रारम्भ से प्रथम परख तक करवाया गया पाठ्यक्रम।
द्वितीय परख :-	प्रथम परख व द्वितीय परख के मध्य करवाया गया पाठ्यक्रम।
अर्द्धवार्षिक परीक्षा:-	सत्रारम्भ से अर्द्धवार्षिक परीक्षा तक करवाया गया पाठ्यक्रम।
तृतीय परख :-	अर्द्धवार्षिक परीक्षा के उपरान्त व तृतीय परख से पूर्व तक करवाया गया पाठ्यक्रम। (कक्षा 10 व 12 के लिए विषयाध्यापक स्वविवेक से पाठ्यक्रम निर्धारित कर सकते हैं।)
वार्षिक परीक्षा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से